वन्यजीव 'सुपरस्टार' और भावनात्मक संरक्षण की सीमाएं

UPSC प्रासंगिकता: GS पेपर III – पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी, मानव-वन्यजीव संघर्ष, ईको-टूरिज्म और सतत विकास।

चर्चा में क्यों? (Why in the News?)

IAS-PCS Institute

- हाल ही में केन्या के अंबोसेली नेशनल पार्क में एक प्रसिद्ध अफ्रीकी "सुपर टस्कर" हाथी, **क्रेग (Craig)** की मृत्यु ने वैश्विक स्तर पर शोक की लहर पैदा कर दी। माउंट किलिमंजारो की पृष्ठभूमि में उसकी प्रतिष्ठित तस्वीरें वन्यजीवों के अस्तित्व का प्रतीक थीं।
- हालांकि, उसकी कहानी एक महत्वपूर्ण नीतिगत प्रश्न उठाती है:
  - क्या व्यक्तिगत वन्यजीवों के प्रति वैश्विक लगाव संरक्षण (conservation) को मजबूत करता है — या उसे विकृत (distort) करता है?

Result Mitra
रिजल्ट का साथी

पृष्ठभूमि: वन्यजीव "सुपरस्टार" का उदय

- वन्यजीव संरक्षण तेजी से पर्यटन, मीडिया और भावनात्मक कहानी कहने के साथ जुड़ रहा है।
- जंगली जानवरों को नाम देने की प्रथा तब लोकप्रिय हुई जब जेन गुडॉल और डायन फॉसी ने चिपांजी और गोरिल्ला को नंबरों के बजाय नामों से पहचानना शुरू किया। इसने वन्यजीवों का मानवीकरण किया और भावनात्मक जुड़ाव पैदा किया।
- भारत ने भी इस घटना को **'मछली'** (Machli) बाघिन के साथ देखा, जिसकी उपस्थिति ने रणथंभौर नेशनल पार्क में पर्यटन को काफी बढ़ावा दिया।
- ऐसे "सेलिब्रिटी जानवर" अक्सर बन जाते हैं:
  - संरक्षण के प्रतीक
  - पर्यटन के लिए आकर्षण का केंद्र
  - सार्वजनिक समर्थन के लिए भावनात्मक आधार

संरक्षण जनसंख्या के स्तर पर होता है, व्यक्तियों के स्तर पर नहीं

पारिस्थितिक दृष्टिकोण से, संरक्षण इन पर ध्यान केंद्रित करता है:

- व्यवहार्य प्रजनन आबादी (Viable breeding populations)
- आनुवंशिक विविधता (Genetic diversity)
- आवास (Habitat) सुरक्षा
- शिकार आधार (Prey base) की स्थिरता
- लैंडस्केप कनेक्टिविटी (Landscape connectivity)

IAS PCS Institute

संरक्षण जीवविज्ञानी **के. उल्लास कारंत** के अनुसार, किसी एक हाई-प्रोफाइल जानवर को बचाने या उसका जीवन बढ़ाने के लिए असंगत संसाधन समर्पित करना सीमित संरक्षण निधि (funds) का गलत इस्तेमाल हो सकता है।

- प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र में चोट, बीमारी और मृत्यु सामान्य प्रक्रियाएं हैं।
- जनसंख्या नियमन पारिस्थितिक होता है, भावनात्मक नहीं।
- जब तक कोई प्रजाति 'गंभीर रूप से लुप्तप्राय' (जैसे- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) न हो, तब तक किसी एक व्यक्ति को बचाना शायद ही दीर्घकालिक अस्तित्व को बदलता है।

Result Mitra
रिजल्ट मित्र

सेलिब्रिटी वन्यजीवों के आर्थिक और सामाजिक आयाम

वन्यजीव प्रतीकों को पूरी तरह से खारिज करना अदूरदर्शिता होगी। क्रेग और मछली जैसे जानवरों ने निम्नलिखित में सहायता की:

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

- स्थानीय आजीविका
- सफारी पर्यटन और पार्क राजस्व
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दृश्यता (Visibility)

हालांकि, संरक्षणवादी **संजय गुब्बी** ने आगाह किया है कि वन्यजीव पर्यटन आसानी से व्यवसायीकृत हो सकता है:

- पार्क की सीमाओं के पास रिसॉर्ट्स की भरमार।
- सफारी वाहनों की अत्यधिक भीड़।
- जानवरों के साथ मुठभेड़ केवल "सेल्फी के अवसर" बन कर रह जाती है।

भावना बनाम पारिस्थितिकी: एक शासन संबंधी दुविधा

मानव-वन्यजीव संघर्ष के दौरान यह तनाव और गहरा हो जाता है।

- **'उस्ताद'** (T-24) बाघ का मामला इस दुविधा को दर्शाता है। कई लोगों की मौत से जुड़ने के बाद, उसे जंगल से हटा दिया गया — जिससे शहरी वन्यजीव समर्थकों ने विरोध किया, जबकि स्थानीय समुदायों ने सुरक्षा को प्राथमिकता दी।
- यहाँ शासन (Governance) की चुनौती है:
  - शहरी नागरिक जानवर की सुरक्षा की मांग कर सकते हैं।
  - स्थानीय समुदाय सुरक्षा और न्याय की मांग करते हैं।
- अधिकारियों को पारिस्थितिकी, कानून और सार्वजनिक विश्वास के बीच संतुलन बनाना चाहिए।

जब व्यक्तिगत जानवर संरक्षण में मदद कर सकते हैं

मानव-प्रधान क्षेत्रों में, कुछ जानवर सह-अस्तित्व के राजदूत (ambassadors) के रूप में कार्य कर सकते हैं।

- शोधकर्ता **आनंद एम. कुमार** बताते हैं कि परिचित हाथी समुदाय के दृष्टिकोण को नरम कर सकते हैं और शत्रुता कम कर सकते हैं।
- भावनात्मक परिचितता सहनशीलता को प्रोत्साहित कर सकती है और संघर्ष प्रबंधन में सुधार कर सकती है।

क्रेग से मिलने वाला गहरा सबक

क्रेग का वास्तविक संरक्षण महत्व उसकी प्रसिद्धि में नहीं, बल्कि इस बात में था कि वह किसका प्रतिनिधित्व करता था:

- दशकों के अवैध शिकार के बावजूद अस्तित्व बचाए रखना।
- अवैध शिकार विरोधी प्रवर्तन (anti-poaching enforcement) की सफलता।
- हाथी दांत के शिकार से प्रभावित आबादी में आनुवंशिक दुर्लभता।
- उसकी प्राकृतिक मृत्यु संरक्षण की सफलता को दर्शाती है।

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

आगे की राह: भावनात्मक जुड़ाव से पारिस्थितिक प्रतिबद्धता की ओर

भारत की संरक्षण रणनीति को निम्नलिखित करना चाहिए:

1. आवास सुरक्षा और कॉरिडोर कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देना।
2. अवैध शिकार विरोधी प्रवर्तन को मजबूत करना।
3. पारिस्थितिक वहन क्षमता (carrying capacity) के साथ पर्यटन का संतुलन बनाना।
4. संरक्षण के लाभों में स्थानीय समुदायों को एकीकृत करना।
5. भावना-आधारित निर्णयों के बजाय विज्ञान-आधारित प्रबंधन अपनाना।

निष्कर्ष

वन्यजीव "सुपरस्टार" कल्पना को उस तरह से पकड़ते हैं जैसा आंकड़े कभी नहीं कर सकते। वे संरक्षण के भावनात्मक द्वार खोलते हैं। हालांकि, संरक्षण किसी एक करिश्माई जीव के जीवन को लंबा करने के बारे में नहीं है। यह पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखने, आनुवंशिक विविधता की रक्षा करने और मनुष्यों एवं वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व सुनिश्चित करने के बारे में है। **एक हाथी से प्यार करना आसान है। पूरे परिदृश्य (landscape) की रक्षा करना कठिन है — लेकिन कहीं अधिक आवश्यक है।**

प्रारंभिक परीक्षा (Prelims) प्रश्न

प्रश्न 1. वन्यजीव संरक्षण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. संरक्षण जीवविज्ञान मुख्यतः जनसंख्या के बजाय व्यक्तिगत जीवों की रक्षा पर केंद्रित होता है।
2. किसी प्रजाति के भीतर आनुवंशिक विविधता उसके दीर्घकालिक अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है।
3. अति संकटग्रस्त (Critically Endangered) प्रजातियों में प्रत्येक व्यक्तिगत जीव का जीवित रहना जनसंख्या पुनर्प्राप्ति पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1

(B) केवल 2

(C) केवल 2 और 3

(D) 1, 2 और 3

IAS PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी

उत्तर: (C)

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन प्रसिद्ध (Celebrity) वन्यजीव प्रजातियों पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करने से उत्पन्न पारिस्थितिक जोखिम को सर्वाधिक स्पष्ट करता है?

(A) यह संरक्षित क्षेत्रों में पर्यटन राजस्व को कम कर देता है।
(B) यह संरक्षण संसाधनों को आवास-स्तरीय हस्तक्षेपों से हटा देता है।
(C) यह प्रजातियों के भीतर आनुवंशिक विविधता बढ़ाता है।
(D) यह वन्यजीव जनसंख्या की वैज्ञानिक निगरानी को रोकता है।

उत्तर: (B)

मुख्य परीक्षा (GS पेपर III – पर्यावरण)

प्रश्न: "वन्यजीव 'सुपरस्टार' संरक्षण के लिए भावनात्मक समर्थन उत्पन्न कर सकते हैं, किंतु वास्तविक संरक्षण जनसंख्या और पारिस्थितिकी तंत्र के स्तर पर संचालित होता है।" चर्चा कीजिए। (250 शब्द)

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806